Literacy for a Billion

Movie: Haqeeqat 1964
Year: 1964

Song: Hoke Majboor Mujhe
Lyricist: Kaifi Azmi

हूँ ...

होके मजबूर मुझे
उसने भुलाया होगा
होके मजबूर मुझे
उसने भुलाया होगा

ज़हर चुपके से
दवा जान के खाया होगा

होके मजबूर मुझे
उसने भुलाया होगा
होके मजबूर मुझे

दिल ने ऐसे भी
कुछ अफ़साने सुनाए होंगे
दिल ने ऐसे भी
कुछ अफ़साने सुनाए होंगे
अश्क आँखों ने पीए
और ना बहाए होंगे
बंद कमरे में जो ख़त
मेरे जलाए होंगे
एक इक हर्फ़ जबीं पर
उभर आया होगा

होके मजबूर मुझे
उसने भुलाया होगा
होके मजबूर मुझे
उसने घबराके

नज़र लाख बचाई होगी

उसने घबराके
नज़र लाख बचाई होगी
दिल की लुटती हुई
दुनिया नज़र आई होगी
मेज़ से जब मेरी
तस्वीर हटाई होगी
मेज़ से जब मेरी
तस्वीर हटाई होगी
हाय ...
हर तरफ़ मुझको
हर तरफ़ मुझको
तड़पता हुआ पाया होगा

होके मजबूर मुझे
उसने भुलाया होगा
होके मजबूर मुझे

छेड़ की बात पे
अरमाँ मचल आए होंगे
छेड़ की बात पे
अरमाँ मचल आए होंगे
ग़म दिखावे की
हँसी में उबल आए होंगे
नाम पर मेरे
जब आँसू निकल आए होंगे
नाम पर मेरे
जब आँसू निकल आए होंगे

सर ना काँधे से
सर ना काँधे से
सहेली के उठाया होगा

होके मजबूर मुझे
उसने बुलाया होगा
होके मजबूर मुझे

जुल्फ़ ज़िद करके
किसीने जो बनाई होगी
जुल्फ़ ज़िद करके
किसीने जो बनाई होगी

और भी ग़म की
घटा मुखड़े पे छाई होगी
बिजली नज़रों ने
कई दिन ना गिराई होगी
रंग चेहरे पे
कई रोज़ ना आया होगा

होके मजबूर मुझे
उसने बुलाया होगा
ज़हर चुपके से
दवा जान के खाया होगा
होके मजबूर मुझे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.